24/4/19	वकील उभयपक्ष उपस्थित। P.O. [illegible] के आने पर। प्रतिवादी स्थगन दि० 10/7/19 को पेश हो।
10/7/19	वकील उभयपक्ष उपस्थित। प्रतिवादी वास्ते जवाब दि० 25/9/19 को पेश हो।
25/9/19	वकील उभयपक्ष उप०। प्रतिवादी वास्ते जवाब दिनांक 11/12/19 को पेश हो।
11/12/19	वकील उभय पक्ष उप०। बहस हेतु समय चाहते हैं। प्रतिवादी वास्ते बहस दिनांक 15/1/20 को पेश हो।
15/1/020	वकील उभय पक्ष उप०। आज कार्यालय परिषद द्वारा कोई कार्य स्थगित रखा गया है। P.O. सा० अग्रम प्रतिवादी के न आने से प्रतिवादी पुकारा दिनांक 4/2/020 को पेश हो।
4/2/020	वकील उभय पक्ष उप०। P.O. सा० प्रतिवादी से जयपुर पधारे हैं। प्रतिवादी पुकारा दिनांक 19/2/020 को पेश हो।
19/2/020	वकील अपीलांट अनु०। वकील रेस्पो० उप०। वकील अपीलांट को आमहित के अवसर दिया जाकर प्रतिवादी दिनांक 26/2/020 को पेश हो।
26/2/020	वकील अपीलांट अनु०। वकील रेस्पो० उप०। वकील अपीलांट गत पेशी पर भी अनुपस्थित रहे हैं। अपीलांट व वकील अपीलांट को सख्त सख्त आखरी लगवाई गई, किन्तु समय तक कोई उपस्थित नहीं हुआ। ऐसी स्थिति में अपील अपीलांट अदम पैरवी में खारिज की जाती है। प्रतिवादी के शुमार होकर नम्बर से बाद की जावे। खाड लागिक वकील दाखिल दफ्तर हो।

Scanned by CamScanner